>

Title: Threat posed to Taj due to pollution in the river Yamuna in Uttar Pradesh.

प्रो. रामशंकर (आगरा): महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया।

महोदय, आगरा में पानी की बड़ी भारी समस्या है और उसके कारण कई प्रकार की समस्याओं से वहां की जनता लंबे समय से परेशान है। वहां 400 वर्ष पूर्व पानी के आलोक में जिस ताजमहल का निर्माण हुआ था, यमुना में पानी न होने के कारण ताजमहल के नींव में लगी लकड़ी सिकुड़ रही है। वहां एक सर्वे हुआ है जिसकी रिपोर्ट के अनुसार ताजमहल की मीनारों के झुकने का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। निरंतर यमुना सूखी रहने के कारण यमुना की बालू और गंदगी वहां जमा हो जाती है और जमा हुई रेत के गर्मी में उड़ने से ताजमहल की चमक धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।

मैं यह भी अनुरोध करूंगा कि आगरा शहर के गंदे नाले जाकर यमुना में मिलते हैं, जिसके कारण सिल्ट जमा हो जाती है। जो लोग यमुना किनारे स्थित ताजमहल को देखने आते हैं, उन्हें यमुना से काफी बदबू आती है, जिससे वे लोग भी आश्चर्यचकित हो जाते हैं। वहां पर सबसे बड़ी समस्या यह है कि यमुना पर जब से गोकुल-मथुरा का बैराज बना है, तब से आगरा में यमुना में पानी की मात्रा काफी कम हो गई है और जो पानी है, वह खारा हो गया है। आगरा के लोगों की लम्बे समय से मांग है कि वहां पर एक बैराज बनाया जाए। उस बैराज के लिए उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल मोतीलाल वोरा जी ने इसकी स्वीकृति दी थी, लेकिन अभी तक बैराज नहीं बना। आगरा में गंदा पानी पीने के कारण लोगों के सामने कई प्रकार की समस्याएं पैदा हो गई हैं। आगरा की 70 प्रतिशत जनता बदबूदार और गंदा पानी पीने को मजबूर है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि वहां पर बैराज का निर्माण कराया जाए, जिससे जनता की लम्बे समय से चली आ रही समस्या दूर हो सके और साथ ही ताजमहल का संरक्षण हो सके।